All India Bar Examination-VI [2014]

SR. No.	Subjects	Questions No.	Total No. of Q.	Marks	Weightage (%)
1	Constitution of India	91,92,93,94,95,96,97,98,99,10	10	10	10%
2	Indian Penal code, 1860	63,64,65,66,67,68	6	6	6%
3	Civil Procedure Code, 1908	43,47,48,49,50,51,52,53,54,55	10	10	10%
4	Criminal Procedure Code,1973	1,2,3,4,5,6,7,8,9,10	10	10	10%
5	Indian Evidence Act, 1872	11,12,13,14,15,16,17,18	8	8	8%
6	Arbitration & Conciliation Act	44,45,46	3	3	3%
7	Administration Law	82,83,84	3	3	3%
8	Professional Ethics & Cases of Professional Misconduct Under Bar Council of India Rules	39,40,41,42	4	4	4%
9	Family Law	72,73,74,75	4	4	4%
10	Company Law	59,60,61,62	4	4	4%
11	Labour & Industrial Law	76,77,78,79,80,81	6	6	6%
12	Law Of Torts, M.V. Act and Consumer Protection Law	85,86,87,88,89,90	6	6	6%
13	Law of Contract, Specific Relief, Property Laws, Negotiable Instrument Act,	19,20,22,23,24,25,26,27,28,29, 30,31,32,33,34,35,36,37,38	19	19	19%
14	Limitation Act, 1963	56,57,58	3	3	3%
15	Sales of Good	21	1	1	1%
16	Jurisprudence	69,70,71	3	3	3%
Total			100	100	**100%**

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Only for Paid Users)

Scan this QR Code to Linking Laws BIOs
Linking Laws
Linking Laws Tansukh Sir
www.LinkingLaws.com
Get Subscription Now
Linking Laws is a Professional Institute provide AI based Smart Preparation for Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India
(UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)

Constitution of India

91. New states are created under / नए राज्यों का निर्माण होता है".
(1) Art. 3 of the Indian
(2) Art. 4 of the Indian Constitution
(3) Art.5 of the Indian Constitution
(4) Art. 370 of the Indian Constitution

Ans. [1]

92. Doctrine of pleasure with reference to civil servants is mentioned under / सिविल सेवकों के संदर्भ में प्रसाद प्रयत्न का सिद्धांत का उल्लेख है
(1) Art. 311 of the Indian Constitution
(2) Art. 308 of the Indian Constitution
(3) Art. 301 of the Indian Constitution
(4) Art. 310 of the Indian Constitution

Ans. [4]

93. Right to know flows from one of these Articles of the Constitution / जानने का अधिकार संविधान के इन अनुच्छेदों में से किसमें समिल्लित है
(1) Art. 15 / अनुच्छेद 15
(2) Art. 19 / अनुच्छेद 19
(3) Art. 20 / अनुच्छेद 20
(4) Art.23 / अनुच्छेद 23

Ans. [2]

94. Freedom of trade, commerce and intercourse throughout the territory of India - is mentioned under / व्यापार, वाणिज्य और समागम की भारतीय क्षेत्र में स्वतंत्रता का उल्लेख है
(1) Art. 19(1)(g) / अनुच्छेद 19 (1) (g)
(2) Art. 300-A / अनुच्छेद 300क
(3) Art. 301 / अनुच्छेद 301
(4) Art. 299 / अनुच्छेद 299

Ans. [3]

95. Passive euthanasia under certain circumstance is permissible - held in the case of / किन परिस्थितियों के अंतर्गत निष्क्रिय दया मृत्यु अनुमति योग्य है । यह किस प्रकरण में अभिधारित किया गया -
(1) Aruna Ramachandra Shanbaug Vs. Union of India / अरुणा रामचन्द्र शानबाग बनाम भारत संघ
(2) Gian Kaur Vs State of Punjab / ज्ञानकौर बनाम पंजाब राज्य
(3) State of Maharashtra Vs. Maruty Sripaty Dubal / महाराष्ट्र राज्य बनाम मारूति श्रीपति दुबाल
(4) P. Rathinam Vs Union of India / आर. रतिनाम बनाम भारत संघ के

Ans. [1]

96. It was held by the Supreme Court that the balance between Fundamental Rights and Directive Principles of State Policy is the bedrock and the basic structure of the constitution in which case? / मौलिक अधिकारों एवं राज्य नीति निदेशक तत्वों के मध्य संतुलन संविधान आधार शैल एवं आधारभूत ढांचा है, यह सर्वोच्च न्यायालय की ओर से किस प्रकरण में अभिधारित किया गया -
(1) Keshavanada Bharathi v State of Kerala / केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य
(2) Minerva Mills Vs. UOI / मिनर्वा मिल्स बनाम भारत संघ
(3) Indira Nehru Gandhi v Rajnarain / इंदिरा नेहरू गांधी बनाम राजनारायण
(4) Kihota Hollohon v. Zachilhu / किहोता होलोहोन बनाम जेसिल्हू

Ans. [2]

97. K. C. Gajapati Narayan Deo v. State of Orissa, is often quoted with reference to / के. सी. गजपति नारायण देव बनाम उड़ीसा राज्य को अक्सर इस संदर्भ से प्रद्धत किया जाता है"
(1) Doctrine of Eclipse / श्री आच्छादन का सिद्धांत
(2) Doctrine of severability / पृथकता का सिद्धांत
(3) Doctrine of colorable legislation / आभासी विधान का सिद्धांत
(4) Doctrine of territorial nexus / क्षेत्रीय अंतर्संबंध का सिद्धांत

Ans. [3]

98. Raja Ram Pal v. Hon'ble Speaker, Lok Sabha deals with / राजाराम बनाम माननीय लोकसभा अध्यक्ष इससे व्यवहृत है
(1) Presidents' election / राष्ट्रपति चुनाव
(2) Privileges of the legislature / विधानमंडल का विशेषाधिकार
(3) Pardoning power / क्षमा करने की शक्ति
(4) Office of profit / लाभ का पद

Ans. [2]

99. Under Art. 1 of the Constitution, India that is Bharat shall be / भारतीय संविधान के अनुच्छेद के अंतर्गत भारत होगा"
(1) Federation of states / राज्यों का महासंघ
(2) Union of states / राज्यों का संघ
(3) Democratic republic / लोकतांत्रिक गणराज्य
(4) Quasi federal / अर्द्ध संघीय

Ans. [2]

100. A Minister ceases to hold office if he does not become a member of the Legislature within six months is mentioned under / मंत्री का पद समाप्त हो जाता है, यदि वह विधानमंडल का सदस्य छह माह के अंदर नहीं बन जाता- यह उल्लेख है
(1) Art. 164 (4)
(2) Art. 164(1)
(3) Art. 164(2)
(4) Art. 164 (3)

Ans. [1]

Scan this QR Code to Linking Laws BIOs
Linking Laws
Linking Laws Tansukh Sir
www.LinkingLaws.com
Get Subscription Now
Linking Laws is a Professional Institute provide AI based Smart Preparation for Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India
(UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)

Indian Penal code, 1860

63. Putting or attempting to put a person in fear of death or grievous hurt in order to commit extortion is dealt under / व्यक्ति को मृत्यु अथवा गंभीर चोट के भय में डालना अथवा डालने का प्रयास करना जबरदस्ती करने के क्रम में इसके इसके सम्बन्ध में है

(1) Section 385 IPC / भारतीय दंड संहिता की धारा 385
(2) Section 386 IPC / भारतीय दंड संहिता की धारा 386
(3) Section 387 IPC / भारतीय दंड संहिता की धारा 387
(4) Section 388 IPC / भारतीय दंड संहिता की धारा 388

Ans. [3]

64. F invited C to have a fix of his heroin. Each filled his own syringe and injected each other several times one night. Next morning F died on the question of causation: / च ने ग को अपनी हेरोइन स्थिर करने को आमंत्रित किया। प्रत्येक ने अपनी स्वयं की सूई दाखिल की और अनेक बार एक रात एक दूसरे को इंजेक्शन लगाया। अगली सुबह च इस कारण मर गया"

(1) C must be convicted of manslaughter / ग व्यक्ति की हत्या का दोष सिद्ध होना चाहिए
(2) must not be convicted of manslaughter / हत्या का दोष सिद्ध नहीं होना चाहिए
(3) C can be convicted for the possession of heroin only / ग केवल हेरोइन रखने का दोष सिद्ध हो सकता है
(4) C is neither guilty of possessing heroin nor the death of F / न तो च की हत्या का दोषी है . न तो हेराइन रखने का

Ans. [1]

65. Literally, mens rea means / शब्दश: आपराधिक मनः स्थिति का अर्थ है

(1) Guilty mind / दोषी मस्तिष्क
(2) Guilty or a wrongful purpose / दोषी अथवा सदोष प्रयोजन
(3) Criminal intent, a guilty knowledge and wilfulness / आपराधिक आशय, दोषी ज्ञान और इच्छापूर्वक
(4) All of the above / उपरोक्त सभी

Ans. [4]

66. In which of the following cases mens rea is not an essential ingredient for offences under: / निम्नलिखित प्रकरणों में से कौन सा आपराधिक मन स्थिति अपराधों के लिए अत्यावश्यक तत्व इसके अधीन नहीं है

(1) Revenue Acts. / राजस्व अधिनियम
(2) Public Nuisance / पब्लिक न्यूसेंस
(3) Criminal case which are in summary mode / आपराधिक मामला संक्षिप्त प्रकार
(4) All of these / ये सभी

Ans. [4]

67. Actus non facit reum, nisi mens sit rea means? / "केवल कार्य किसी को अपराधी नहीं बनाता यदि उसका मन भी अपराधी न हो", का अर्थ है

(1) A deed, a material result of human conduct / संलेख, सामग्री मानवीय आचरण का परिणाम •
(2) The intent and act must both concur to constitute the crime. / आशय तथा कृत्य दोनों अपराध स्थापित करने का होना जरूरी
(3) Putting to death / मृत्यु में डालना
(4) Un commended manner / असमादेश तरीका

Ans. [2]

68. Cheating and thereby dishonesty inducing delivery of property, or the making alteration. or destruction of a valuable security is dealt under / छल और उसके द्वारा बेईमानी में सम्मिलित संपति को देना अथवा मूल्यवान प्रतिभूति का परिवर्तन करना अथवा नष्टकरण सम्बन्धित है

(1) Section 417 IPC
(2) Section 418 IPC
(3) Section 419 IPC
(4) Section 420 IPC

Ans. [4]

Code of Civil Procedure

43. In which year by an amendment of the Code of Civil Procedure Sec.89 has been included in the code, which gives importance to mediation, conciliation and arbitration. / किस वर्ष में दीवानी प्रक्रिया संहिता में संशोधन से धारा 89 को संहिता में सम्मिलित किया गया जो मध्यस्थता, सुलह और माध्यस्थम को महत्व देती है

(1) 2002
(2) 2004
(3) 2013
(4) 2012

Ans. [1]

47. Claim made by the defendant in a suit against the plaintiff / वादी के खिलाफ वाद में प्रतिवादी की ओर से किया गया दावा है"

(1) Cross claim
(2) Cross suit
(3) Counter claim
(4) Cross decree

Ans. [3]

48. Interpleader suit is dealt with in which of the following sections of C.P.C.? / अंतराभिवाची वाद सिविल प्रक्रिया संहिता की निम्नलिखित धारा सम्बंधित है?

(1) Section 87
(2) Section 88
(3) Section 89
(4) Section 90

Ans. [2]

49. As required by S.80 C.P.C, the suit can be instituted after the expiry of----- of notice / सिविल प्रक्रिया संहिता धारा 80 के अंतर्गत सूचना ..... की समाप्ति जे बाद वाद संस्थित किया जाना चाहिए-

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Only for Paid Users)

Scan this QR Code to Linking Laws BIOs
Linking Laws
Linking Laws Tansukh Sir
www.LinkingLaws.com
Get Subscription Now
Linking Laws is a Professional Institute provide AI based Smart Preparation for Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India (UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)

(1) 1 month / 1 माह
(2) 2 months / 2 माह
(3) 60 days / 60 दिन
(4) 30 days / 30 दिन

Ans. [2]

50. Under S.2 (2) of C.PC. Rejection of a plaint is / सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा 2 (2) के अधीन वाद पत्र की नामंजूरी है
(1) Decree
(2) Deemed decree
(3) Cross decree
(4) Cross appeal

Ans. [2]

51. Ratilal v. State of Bombay is a popular case on the point of / रतीलाल बनाम मुंबई राज्य इस बिन्दु पर लोकप्रिय प्रकरण है"
(1) Res judicata / पूर्व न्याय
(2) Res sub-judice / विचाराधीन विषय
(3) Restitution / प्रत्यास्थापन
(4) Doctrine of Cy-pres / तत्सदृश्य का सिद्धांत

Ans. [4]

52. Pick out the case u/S. 58 (1-A), in which arrest or detention in civil prison is not maintainable. / धारा 58 (1 - क) के अधीन परिस्थिति बताइए, जिसमें सिविल कैदी कैद में गिरफ्तारी या निरूद्धता अनुरक्षणीय नहीं है
(1) A judgment debtor, where decretal amount does not exceed Rs. 5,000/- / निर्णीत ऋणी, जहां निर्णित राशि रूपए 5,000/- से अधिक नहीं है
(2) A judgment debtor where decretal amount is does not exceed Rs.2,500- / निर्णीत ऋणी, जहां निर्निता राशि 2500 /- से अधिक नहीं है
(3) A judgment debtor where decretal amount is does not exceed Rs.2000/- / निर्णीत ऋणी, जहां निर्णित राशि रूपए 2000/- से अधिक नहीं है
(4) A judgment debtor where decretal amount is does not exceed Rs.1,000/- / निर्णीत ऋणी, जहां निर्णित राशि रूपए 1000/- से अधिक नहीं है

Ans. [3]

53. A precept seeks to ..... of the judgement debtor. / आज्ञा पत्र निर्णित ऋणी की .....
(1) Attach the property / संपत्ति कुर्की का निर्णीत ऋणी का
(2) Prevent alienation of property of the / संपत्ति हस्तांतरित करने से रोकना
(3) Prevent attachment and alienation/ कुर्की तथा हस्तांतरण से रोकना
(4) None of the above. / उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [2]

54. R.90 of Order 21 deals with / आदेश 21 का नियम 90 किससे सम्बंधित है-
(1) Pre-sale illegalities committed in the execution / निष्पादन से की गई पूर्व विक्रय अवैधताएं
(2) Post-sale irregularities causing substantial injury to judgment debtor / पश्चात विक्रय से अनियमितताएं जिससे निर्णीत ऋणी को क्षति पहुंची है
(3) Both a and b / (1) एवं (2) दोनों
(4) None of the above. / उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [2]

55. The place of suing in a suit for partition will be / बंटवारे के वाद में वाद लाने का स्थान होगा"
(1) Court within whose jurisdiction the person is residing/ न्यायालय जिसके अधिकारिता क्षेत्र में व्यक्ति निवास करता है
(2) Court within whose jurisdiction the elder person of the family resides / न्यायालय जिसके अधिकारिता क्षेत्र में परिवार का बड़ा व्यक्ति निवास करता है
(3) Court within whose jurisdiction the entire property of the family is situated. / न्यायालय जिसके अधिकारिता क्षेत्र में परिवार की समूची संपत्ति अवस्थित है
(4) Court within whose jurisdiction the immovable property is situated / न्यायालय जिसके अधिकारिता क्षेत्र में अचल संपत्ति अवस्थित है

Ans. [4]

Criminal Procedure Code,1973

1. The Criminal Procedure Code ensures that / दांडिक प्रक्रिया संहिता सुनिश्चित करती है कि
(1) Principle of separation of powers of each of the State is not breached / राज्य के प्रत्येक अंग की शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत का उल्लंघन नहीं किया गया है
(2) Principle of combined of powers of each limb of the State is not breached. / राज्य के प्रत्येक अंग की शक्तियों के संयोजन के सिद्धांत का उल्लंघन नहीं होता है ।
(3) (1) and (2) / (1) एवं (2)
(4) Principle of separation of powers of each limb of the State is breached. / राज्य के प्रत्येक अंग की शक्तियों का पृथकीकरण भंग हो ।

Ans. [1]

2. Section 6 of the Cr.P.C. defines? / दांडिक प्रक्रिया संहिता की धारा 6 परिभाषित करती है?
(1) Classes of Criminal Courts / दांडिक न्यायालयों की श्रेणियां।
(2) Classes of District Courts / जिला न्यायालयों की श्रेणियां।
(3) Classes of Municipal Courts / नगरपालिका न्यायालयों की श्रेणियां ।
(4) Classes of Civil Courts / दीवानी न्यायालयों की श्रेणियां।

Ans. [1]

3. When an offence is bailable: / कब अपराध जमानत योग्य है:
(1) A person has no right to be released on bail upon arrest. / किसी व्यक्ति को गिरफ्तारी पर जमानत पर रिहा होने का अधिकार नहीं हो ।

Scan this QR Code to Linking Laws BIOs
Linking Laws
Linking Laws Tansukh Sir
www.LinkingLaws.com
Get Subscription Now
Linking Laws is a Professional Institute provide AI based Smart Preparation for Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India
(UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)

(2) A person has a right to be released on bail upon arrest. / व्यक्ति को गिरफ्तारी पर जमानत पर रिहाई का अधिकार हो।
(3) A right to be released is dependent on the exercise of judicial discretion. / रिहाई का अधिकार न्यायिक स्व विवेक के उपयोग पर निर्भर है।
(4) A person shall be released within 24 hours. / व्यक्ति 24 घंटे के अन्दर रिहा होगा।

Ans. [2]

4. As per section 273 of Cr.P.C., how evidence is to be taken? / दांडिक प्रक्रिया संहिता की धारा 273 के अनुसार, साक्ष्य कैसे लिया जाए?
(1) In the presence of accused. / अभियुक्त की उपस्थिति में
(2) When personal attendance of the accused is dispensed with, in the presence of his pleader. / जब अभियुक्त की व्यक्तिगत उपस्थिति की छूट दी गई है, उसके अभिवचनकर्ता की उपस्थिति में ।
(3) In presence of police / पुलिस की उपस्थिति में ।
(4) Both (1) and (2) / (1) एवं (2) दोनों ।

Ans. [4]

5. If a woman sentenced to death is found to be pregnant, the High Court shall Order the execution of the sentence / यदि मृत्यु दंडादेश वाली महिला गर्भवती पाई जाती है , उच्च न्यायालय दंड के निष्पादन का आदेश करेगा'
(1) To be postponed. / स्थगित की जाए ।
(2) If thinks fit commute the sentence to imprisonment for life. / यदि ठीक माने तो सजा आजीवन कारावास में की जाए।
(3) Sent for medical assistance / चिकित्सा सहायता के लिए भेजा जाए।
(4) Non- Judicial mandate of powers. / शक्तियों का अन्यायिक आदेश ।

Ans. [2]

6. Under which section of the Cr.P.C, the procedure when investigation cannot be completed within twenty-four hours has been described? / दंड प्रक्रिया संहिता की किस धारा के अधीन, जब अन्वेषण चौबीस घंटे के अन्दर पूरा नहीं हो सकता, प्रक्रिया का वर्णन है?"
(1) Sec.165 / धारा 165
(2) Sec.167 / धारा 167
(3) Sec.166 / धारा 166
(4) Sec.164 / धारा 164

Ans. [2]

7. What is provided by the Code of Criminal Procedure 1973? / दंड प्रक्रिया संहिता 1973 से क्या प्रावधानित है?
(1) The Code provides the procedure for the implementation of the criminal justice system / संहिता दांडिक न्याय प्रणाली के क्रियान्वयन के लिए प्रक्रिया का प्रावधान करती है।
(2) It provides the mechanism for the investigation in to trial of offences / यह अपराधों के विचारण में अन्वेषण के लिए क्रियाविधि का प्रावधान करती हैं।
(3) The code provides the procedure for the implementation of the civil justice system. /संहिता दीवानी न्याय प्रणाली के क्रियान्वयन के लिए प्रक्रिया का प्रावधान करती है।
(4) (1) and (2) / (1) एवं (2) दोनों।

Ans. [4]

8. As per section 2(c) a cognizable offence is / धारा 2 (ग) के अनुसार संज्ञेय अपराध है?"
(1) Where a police officer may arrest without warrant. / जहां पुलिस अधिकारी वारंट के बिना गिरफ्तार करें
(2) Where a police officer may not arrest without warrant / जहां पुलिस अधिकारी वारंट के बिना गिरफ्तार नहीं कर सकती.
(3) Where a police officer may arrest with permission of a court / जहां पुलिस अधिकारी न्यायालय की अनुमति से गिरफ्तार करें
(4) Any person in the public can arrest / सार्वजनिक रूप से कोई व्यक्ति गिरफ्तार हो सकता है

Ans. [1]

9. Section 100 of the Cr.P.C. refers to / दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 100 संदर्भ करती है?
(1) Seizure / जब्ती
(2) Search / तलाशी
(3) Summons / समन
(4) Search-warrants / तलाशी - वारंट

Ans. [2]

10. Is there any maximum period for which an under-trial can be detained under Section 436. A of the Cr.P.C., / क्या कोई अधिकतम अवधि है जिसके लिए विचाराधीन दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 436- क के अधीन निरुद्ध किया जा सकता है?
(1) Yes, half of the Maximum period of imprisonment specified for that offence / हां, उस अपराध के लिए विनिर्दिष्ट कारावास की अधिकतम अवधि का आधा
(2) No period is prescribed / कोई अवधि विहित नहीं है
(3) Court can decide / न्यायालय निश्चित कर सकता है
(4) Maximum 90 days / अधिकतम 90 दिवस

Ans. [1]

Indian Evidence Act, 1872

11. Presumption of law is / विधि की उपधारणा है।
(1) Discretionary and rebuttable / विवेकाधीन एवं खंडनीय
(2) Mandatory and rebuttable / अनिवार्य एवं खंडनीय
(3) Mandatory and irrebuttable / अनिवार्य एवं अखंडनीय
(4) All of the above / उपरोक्त सभी

Ans. [3]

Scan this QR Code to Linking Laws BIOs
Linking Laws
Linking Laws Tansukh Sir
www.LinkingLaws.com
Get Subscription Now
Linking Laws is a Professional Institute provide AI based Smart Preparation for Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India (UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)

12. In Selvi's case, the Supreme Court of India examined the constitutionality of tests like Narco Analysis, Polygraph and Brain Mapping on the touchstones of / सेल्वी के प्रकरण में भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने परीक्षणों की संवैधानिकता परीक्षा की जैसे नार्को विश्लेषण, पोलीग्राफ एवं ब्रेन मेपिंग का इसकी कसौटी पर

(1) Art. 20(3) and Art. 21
(2) Art. 21 and Art. 23(2)
(3) Art 23 and Art. 21
(4) Art. 20(2) and Art. 20(1)

Ans. [1]

13. According to the Law Commission of India 69th Report, S.27 of the Indian Evidence Act is based on the / भारतीय विधि आयोग के 69वें प्रतिवेदन के अनुसार, भारतीय साक्ष्य अधिनियम आधारित है

(1) Doctrine of introspection / आत्मनिरीक्षण का सिद्धांत
(2) Doctrine of testimonial incrimination/ प्रमाण लेख दोषारोपण का सिद्धांत
(3) Doctrine of confirmation / पुष्टि का सिद्धांत
(4) None of the above / उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [3]

14. S.99 of the Indian Evidence Act says persons who are not parties to a document or their representatives in interest may give evidence of any facts tending to show a contemporaneous agreement varying the terms of the document. This is based on the principle / भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 99 कहती है कि व्यक्ति जो दस्तावेज के पक्षकार अथवा उनके प्रतिनिधि नहीं है, ऐसे किसी भी तथ्य का साक्ष्य दे सकेंगे, जो दस्तावेज के निबंधनों का परिवर्तन करने वाले किसी समकालीन करार को दर्शि तकरने की प्रवृति रखते हो। यह इस सिद्धांत पर आधारित है

(1) Pacta tertii nec nocent nec prosunt
(2) Pacta sunt servanda
(3) Action personalis moriturcum persona
(4) None of the above

Ans. [1]

15. Burden of proving that person is alive who has not been heard of for seven years is on whom / यह प्रमाणित करने का भार कि वह व्यक्ति जीवित है जो सात वर्ष के लिए उस पर नहीं सुना गया

(1) One who denies it / वह जो इंकार करता है
(2) One who affirms it / वह जो इसकी पुष्टि करता है
(3) Any third person/stranger / कोई तीसरा व्यक्ति / अजनबी
(4) None of the above / उपरोक्त में कोई नहीं

Ans. [2]

16. The Court's discretion to permit leading questions is confined only to matters which are / सूचक प्रश्नों की अनुमति देने का न्यायालय का विवेकाधिकार केवल उन मामलों तक ही सीमित है

(1) Introductory facts. / परिचयात्मक तथ्य
(2) Undisputed facts /अविवादित तथ्य
(3) Facts already sufficiently proved to the satisfaction of the court / न्यायालय की संतुष्टि के लिए पर्याप्त रूप से पहले ही प्रमाणित तथ्य
(4) All the above / उपरोक्त सभी

Ans. [4]

17. The question is whether A murdered B. Marks on the ground, produced by a struggle at or near the place where the murder as committed, are relevant facts under / सवाल यह है कि क्या ए ने बी की हत्या की है। जिस स्थान पर हत्या की गई थी, उस स्थान पर या उसके निकट संघर्ष के कारण जमीन पर बने निशान सुसंगत तथ्य हैं।

(1) S.7 / धारा 7
(2) S.6 / धारा 6
(3) S.8 / धारा 8
(4) S.11 / धारा 11

Ans. [1]

18. S.93 of the Indian Evidence Act treats the patent ambiguity as / भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 93 स्पष्ट संदिग्धता से इस तरह सम्बंधित है-

(1) Curable / साध्य
(2) Incurable / असाध्य
(3) Proper / उचित
(4) None of the above / उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [2]

Arbitration & Conciliation Act

44. Under THE ARBITRATION AND CONCILIATION ACT an arbitration agreement may be in the form of / माध्यस्थ एवं सुलह अधिनियम के अधीन मध्यस्थ करार इस रूप में हो "

(1) an arbitration clause in a contract only / केवल संविदा में मध्यस्थता खंड
(2) in the form of a separate agreement only / केवल पृथक करार के रूप में
(3) an arbitration clause in a contract or in the form of a separate agreement / संविदा अथवा पृथक करार के रूप में मध्यस्थ खंड
(4) commercial custom / वाणिज्यिक प्रथा

Ans. [3]

45. A decision by the arbitral tribunal that the contract is null and void shall / माध्यस्थम अधिकरण की ओर से निर्णय कि संविदा नगण्य और शून्य है, होगा

(1) Entail ipso jure the invalidity of the arbitration clause. / मध्यस्थता खंड का स्वयं विधि की ओर से विधि अमान्यता होना

Scan this QR Code to Linking Laws BIOs
Linking Laws
Linking Laws Tansukh Sir
www.LinkingLaws.com
Get Subscription Now
Linking Laws is a Professional Institute provide AI based Smart Preparation for Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India (UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)

(2) Not entail ipso jure the invalidity of the arbitration clause. / मध्यस्थता खंड का स्वयं विधि की ओर से विधि अमान्यता न होना
(3) Entail defac to invalidity of the arbitration clause. / मध्यस्थता खंड का वस्तुतः विधि अमान्यता होना
(4) None of the above / उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [2]

46. The arbitral tribunal shall not be bound by the / मध्यस्थता अधिकरण को आबद्ध नहीं होना चाहिए
(1) Code of Civil Procedure, 1908 or the Indian Evidence Act, 1872 / दीवानी प्रक्रिया संहिता, 1908 अथवा भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 से
(2) The Indian Evidence Act, 1872. / भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 से
(3) Code of Civil Procedure, 1908. / दीवानी प्रक्रिया संहिता, 1908 से
(4) None of the above / उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [1]

Administration Law

82. Writ of Certiorari is issued against / उत्प्रेषण की रिट इसके विरूद्ध जारी होती है
(1) Lower courts or quasi-judicial bodies / निचले न्यायालय अथवा अर्द्ध न्यायिक निकाय
(2) Public Officials / सार्वजनिक पदधारी
(3) Wrongful confinement / सदोष परिरोध
(4) Usurpation of public office / सार्वजनिक पद का अनाधिकार ग्रहण

Ans. [1]

83. Audi Alteram Partem - means / Audi Alteram Partem – का आशय
(1) Bias / पक्षपात
(2) Hear the other side / दूसरे पक्ष को सुनना
(3) No one can be a judge in his own case / कोई भी अपने खुद के मामले में न्यायाधीश नहीं हो सकता
(4) None of the above / उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [2]

84. The Second Administrative Reforms Commission is constituted / द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग गठित किया गया
(1) 31st August 2004 / 31 अगस्त, 2004
(2) 31st August 2006 / 31 अगस्त, 2006
(3) 31st August 2005 / 31 अगस्त, 2005
(4) 31st August 2007 / 31 अगस्त, 2007

Ans. [3]

Professional Ethics & Cases of Professional Misconduct Under Bar Council of India Rules

39. Who has the authority to prescribed qualifications and disqualifications for membership of a Bar Council? / बार परिषद की सदस्यता के लिए योग्यता और अयोग्यता विहित करने की प्राधिकारिता किसे है?
(1) State Bar Councils / राज्य बार परिषद
(2) Bar Council of India. / भारतीय बार परिषद
(3) Supreme Court of India / भारतीय सर्वोच्च न्यायालय
(4) Supreme Court Bar Association / सर्वोच्च न्यायालय बार एसोसिएशन

Ans. [2]

40. Indian Council of Legal Aid and Advise v. BCI case deals with the issue of / विधिक सहायता एवं सलाह भारतीय परिषद बनाम भारतीय बार परिषद प्रकरण इस मुद्दे से सम्बंधित है
(1) Prescribing pre-enrolment training for advocates / अधिवक्ताओं के लिए पूर्व नामांकन प्रशिक्षण विहित करना
(2) Prescribing minimum qualification for an advocate / अधिवक्ता के लिए न्यूनतम योग्यता विहित करना
(3) Prescribing uniform attire for the advocates appearing in the court of law / विधि न्यायालय में पेश होने वाले अधिवक्ताओं के लिए एकीकृत वेशभूषा विहित करना
(4) Prescribing age bar on enrolment of advocates / अधिवक्ताओं के नामांकन पर आयु वर्जन विहित करना

Ans. [4]

41. For transfer of roll from one state to another, an application is made to the / एक राज्य से दूसरे को नामावली अंतरण के लिए आवेदन पत्र किया जाए"
(1) Bar Council of India / भारतीय बार परिषद
(2) State Bar council where one is enrolled / राज्य बार परिषद जहां कोई नामांकित है
(3) State bar council where one seeks transfer / राज्य बार परिषद जहां कोई अंतरण चाहता
(4) High court of the state where one is enrolled / राज्य का उच्च न्यायालय जहां कोई नामांकित है

Ans. [1]

42. Which of the following committee's cannot be constituted by State Bar Council / निम्न में से किस समिति को राज्य बार परिषद की ओर से गठित नहीं किया जा सकता
(1) Special Committee / विशेष समिति
(2) Disciplinary Committee. / अनुशासन समिति
(3) Legal Aid Committee / विधिक सहायता समिति
(4) Legal Education Committee / विधिक शिक्षा समिति

Ans. [4]

Family Law

72. A is the mother of B. She becomes a widow and re-marries. B dies. Can A succeed to him as mother? (Both are Hindus) / A, B की माँ है। वह विधवा हो जाती है और पुनर्विवाह करती है। बी मर जाता है. क्या A उसकी माँ के रूप में उत्तराधिकारी हो सकती है? (दोनों हिंदू हैं)/
(1) No / नहीं
(2) Yes / हां
(3) Depends on their School / उनके मत पर निर्भर
(4) Only when B has no sons / केवल तब जब ख के पुत्र नहीं है

Ans. [2]

Scan this QR Code to Linking Laws BIOs
Linking Laws
Linking Laws Tansukh Sir
www.LinkingLaws.com
Get Subscription Now
Linking Laws is a Professional Institute provide AI based Smart Preparation for Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India
(UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)

73. Referring to Section 6 of Hindu Minority and Guardianship Act the Supreme Court observed that the words "after him "does not mean 'after the life time of the father'. Indeed, it means 'in the absence of. If the father is non-functional as guardian for various reasons like indifference, physical or mental incapacity, away from the place where the child lives with the mother, by mutual understanding, it may be treated as the 'absence' of the father. In which case? / हिंदू अल्पसंख्यक और संरक्षकता अधिनियम की धारा 6 का उल्लेख करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि "उसके बाद" शब्द का अर्थ 'पिता के जीवन काल के बाद' नहीं है। वास्तव में, इसका अर्थ है 'अनुपस्थिति में। यदि पिता गैर है- उदासीनता, शारीरिक या मानसिक अक्षमता जैसे विभिन्न कारणों से अभिभावक के रूप में कार्यात्मक, उस स्थान से दूर जहां बच्चा मां के साथ रहता है, आपसी समझ से, इसे पिता की 'अनुपस्थिति' के रूप में माना जा सकता है। किस मामले में?

(1) Lily Thomas case / लिली थॉमस प्रकरण
(2) Sarla Mudgal case / सरला मुद्गल प्रकरण
(3) Githa Hariharan case / गीता हरिहरण प्रकरण
(4) Goverdhan Lal case / गोवर्धन लाल प्रकरण

Ans. [3]

74. By a recent amendment the daughter of a coparcener by birth becomes a coparcener in her own right in the same manner as the son Which Amendment? / हाल के एक संशोधन के द्वारा जन्म से सहदायिक की बेटी अपने आप में पुत्र के समान ही सहदायिक बन जाती है कौन सा संशोधन?

(1) The Hindu Succession (Amendment) Act, 2004 / हिन्दू उत्तराधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2004
(2) The Hindu Succession (Amendment) Act, 2005 / हिन्दू उत्तराधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2005
(3) The Hindu Succession (Amendment) Act, 2006 / हिन्दू उत्तराधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2006
(4) The Hindu Succession (Amendment) Act, 2012 / हिन्दू उत्तराधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2012

Ans. [2]

75. Shamim Ara v State of U.P. relates to / शमीम आरा बनाम उत्तर प्रदेश राज्य संबंधित है

(1) The condition precedent for a Muslim husband for rendering divorce is the pronouncement of divorce which has to be proved on evidence / मुस्लिम पति के लिए तलाक देने के लिए पूर्व शर्त स्थिति तलाक की घोषणा है जो साक्ष्य पर साबित है
(2) Option of puberty / यौवनारंभ का विकल्प
(3) Guardianship in Marriage / विवाह में संरक्षणत्व
(4) Dower / दहेज

Ans. [1]

Company Law

59. Which of following is a ground recognized under the Companies Act for automatic adjournment of the General Meeting. / निम्नलिखित में से कौन सा सामान्य बैठक के स्वत: स्थगन के लिए कंपनी अधिनियम के तहत मान्यता प्राप्त आधार है

(1) Absence of Chairman of the meeting / सभा के अध्यक्ष की अनुपस्थिति
(2) Quorum of the meeting is not present / सभा की गण संख्या की उपस्थिति नहीं
(3) Meeting is held at a place different from what was prescribed in the notice / सूचना में विहित से अलग स्थान पर सभा आयोजित होना
(4) Death of any of the directors prior to the meeting / सभा से पूर्व किसी निदेशक का निधन होना

Ans. [2]

60. Which of the following meetings can be called by members / निम्न में से किस बैठक को सदस्यों की ओर से बुलाया जा सकता है

(1) Extra-ordinary General Meeting / असाधारण सामान्य बैठक
(2) Annual General Meeting / वार्षिक साधारण सभा
(3) Statutory meeting / वैधानिक सभा
(4) Special meeting / विशेष सभा

Ans. [1]

61. Which of the following powers can be exercised by the Board of Directors without holding a meeting / बैठक किए बिना निदेशकों की ओर से निम्न में से कौन सी शक्तियों का उपयोग किया जा सकता है"

(1) Power to issue debentures / ऋण पत्र जारी करने की शक्ति
(2) Power to invest funds of the company / कंपनी की निधियों का निवेश करने की शक्ति
(3) Power to make loans / ऋण करने की शक्ति
(4) Power to appoint of additional director / अतिरिक्त निदेशक नियुक्त करने की शक्ति

Ans. [4]

62. Which of following is not a ground for compulsory winding up of a company / कंपनी को अनिवार्य रूप से बंद करने का निम्न में से कौनसा आधार नहीं है

(1) Oppression of minority / अल्पसंख्यकों का दमन
(2) Loss of substratum / आधार की क्षति
(3) Non-holding of annual general meeting / वार्षिक साधारण सभा आयोजित नहीं करना
(4) Losses to the company / कंपनी को नुकसान

Ans. [3]

Labour & Industrial Law

76. The provision under the Industrial Disputes Act, 1947 which guarantees the right of workmen laid-off to claim for compensation / औद्योगिक विवाद

Scan this QR Code to Linking Laws BIOs
Linking Laws
Linking Laws Tansukh Sir
www.LinkingLaws.com
Get Subscription Now
Linking Laws is a Professional Institute provide AI based Smart Preparation for Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India (UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)

अधिनियम, 1947 के तहत प्रावधान जो नौकरी से निकाले गए श्रमिकों को मुआवजे का दावा करने के अधिकार की गारंटी देता है
(1) S.25-C / धारा 25- ग
(2) S. 26 / धारा 26
(3) S.25-0 / धारा 25-ण
(4) S.25-A / धारा 25-45

Ans. [1]

77. The number of persons required to form trade union / श्रम संगठन गठन के लिए व्यक्तियों की वांछित संख्या "
(1) 6
(2) 7
(3) 8
(4) 9

Ans. [2]

78. The temporary closing of the work place or suspension of the work at work place by the employer is known as / कार्यस्थल का अस्थाई बंद करना अथवा कार्यस्थल पर कार्य का निलंबन नियोक्ता की ओर से करना इस रूप में जाना जाता है
(1) Lay off / कामबंदी
(2) Lock out / तालाबंदी
(3) Retrenchment / छंटनी
(4) None of the above / उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [2]

79. Which of the following acts has a direct relevance for grievance handling practices? /निम्न अधिनियमों में से कौन सा परिवेदना संभालने की वृति है? "
(1) The Industrial Disputes Act / औद्योगिक विवाद अधिनियम
(2) Factories Act / फैक्ट्री अधिनियम
(3) The Industrial Employment (Standing Order) Act / औद्योगिक नियोजन (स्थायी आदेश) अधिनियम
(4) all the above / उपरोक्त सभी

Ans. [4]

80. Section 10A of the Industrial disputes Act refers to / औद्योगिक विवाद अधिनियम की धारा 10क संदर्भ करती है
(1) Voluntary reference of disputes to arbitration / विवादों को मध्यस्थता के लिए स्वैच्छिक संदर्भ
(2) Definition of Workman / श्रमिकों की परिभाषा
(3) Definition of industry / उद्योग की परिभाषा
(4) Appeals / अपीलें

Ans. [1]

81. 'Wages' under Workmen's Compensation Act / श्रमिक क्षतिपूर्ति अधिनियम के अंतर्गत 'वेतन'
(1) Includes any privilege or benefit which is capable of being estimated in money / किसी उस विशेषाधिकार अथवा लाभ को सम्मिलित करता है जो धन में आंकलित रूप में समर्थ है
(2) Does not include any privilege or benefit which is capable of being estimated in money / किसी उस विशेषाधिकार अथवा लाभ को सम्मिलित नहीं करता है जो धन में आंकलित के रूप में समर्थ है
(3) Includes any privilege or benefit which is not capable of being estimated in money / किसी उस विशेषाधिकार अथवा लाभ को सम्मिलित करता है जो धन में आंकलित के रूप में समर्थ नहीं है.
(4) None of the above / उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [1]

Law Of Torts, M.V. Act and Consumer Protection Law

85. The type of damages awarded in the law of torts / अपकृत्य विधि में क्षतियों का प्रकार प्रदत्त है
(1) Liquidated Damages / परिनिर्धारित नुकसानी
(2) Unliquidated damages / अपरिनिर्धारित नुकसानी
(3) Penal damages / दांडिक नुकसानी
(4) Exemplary damages / उदाहरणी नुकसानी

Ans. [2]

86. Ashby v White is an example of / एशबी बनाम व्हाइट इसका उदाहरण है
(1) Damnum sine injuria
(2) Uberremifide
(3) Injuria sine damnum
(4) Usufruct

Ans. [3]

87. The Supreme Court of India invoked the principle of absolute liability on an enterprise carrying on business with hazardous and inherently dangerous toxic chemicals in / सर्वोच्च न्यायालय ने खतरनाक तथा अंतर्निहित विषाक्त रसायन का व्यवसाय चलाने वाले उपक्रम पर पूर्ण दायित्व के सिद्धांत का आह्वान इसमें किया"
(1) Ganga Pollution case / गंगा प्रदूषण प्रकरण
(2) Fletcher case / फ्लेचर प्रकरण
(3) Sri Ram Fertilizers case / श्री राम फर्टिलाइजर्स प्रकरण
(4) Prabhu dayal case /प्रभु दयाल प्रकरण

Ans. [3]

88. Res ipsa loquitor - means / स्वयं प्रमाण का अर्थ है
(1) Things speak for themselves /घटना स्वयं बोलती है
(2) Tithes imperiled /दशमांश जोखिम
(3) Vicarious liability / प्रतिनिधिक दायित्व
(4) Dangerous animals /खतरनाक जानवार

Ans. [1]

89. A motor cycle with engine capacity not exceeding 50cc may be driven in a public place by a person / 50 सीसी से अधिक इंजन क्षमता वाली मोटर साइकिल को किसी व्यक्ति द्वारा सार्वजनिक स्थान पर चलाया जा सकता है
(1) after attaining the age of sixteen years /सोलह वर्ष की आयु के बाद

Scan this QR Code to Linking Laws BIOs
Linking Laws
Linking Laws Tansukh Sir
www.LinkingLaws.com
Get Subscription Now
Linking Laws is a Professional Institute provide AI based Smart Preparation for Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India
(UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)

(2) after attaining the age of eighteen years / अट्ठारह वर्ष की आयु के बाद
(3) after attaining the age of fifteen years /पन्द्रह वर्ष की आयु के बाद
(4) after attaining the age of twenty-one years / इक्कीस वर्ष की आयु के बाद

Ans. [1]

90. According to Consumer protection Act, the National Commission shall have jurisdiction over complaints where the value of the goods or services and compensation, if any, claimed exceeds rupees / उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के अनुसार, राष्ट्रीय आयोग के पास उन शिकायतों पर अधिकार क्षेत्र होगा जहां वस्तुओं या सेवाओं का मूल्य और दावा किया गया प्रतिकर, यदि कोई हो, रुपये से अधिक हो।
(1) 2 lakhs / 2 लाख
(2) 10 lakhs / 10 लाख
(3) 20 lakhs / 20 लाख
(4) 50 lakhs / 50 लाख

Ans. [3]

Law of Contract, Specific Relief, Property Laws, Negotiable Instrument Act,

19. A promise or set of promises forming consideration to each other - is known as / वचन अथवा वचनों का संवर्ग एक-दूसरे का प्रतिफल का गठन करता है-जो है "
(1) Proposal / प्रस्ताव
(2) Consideration / प्रतिफल
(3) Agreement / करार
(4) Contract / संविदा

Ans. [3]

20. A past consideration under Indian Law / भारतीय विधि के अधीन पूर्व प्रतिफल है
(1) Invalid / विधि अमान्य
(2) Valid / विधि मान्य
(3) Void / शून्य
(4) Voidable / शून्य लायक

Ans. [2]

22. Consensus ad idem means / एक ही बात पर एक ही भाव में सहमत, अर्थात् "
(1) Good faith / सद् विश्वास
(2) Opinion of third parties / तीसरे पक्षकारों की राय
(3) Opinion of the offeree / प्रस्ताव गृहीता की राय
(4) Meeting of the minds / मस्तिष्क मिलन

Ans. [4]

23. Agreement in restraint of marriage is / विवाह के अवरोध में करार है
(1) Contingent contract / समाश्रित संविदा
(2) Wager / शर्त
(3) Void / शून्य
(4) Valid / विधि मान्य

Ans. [3]

24. A tells B, the shopkeeper, "Give Z the Goods, I will see you paid" - this contract is / क ने दुकानदार ख से कहा- "य को माल दे, मैं आपको दूंगा", यह संविदा है
(1) Bailment / उपनिधान
(2) Agency / अभिकरण
(3) Guarantee / प्रत्याभूति
(4) Indemnity / क्षति की पूर्ति

Ans. [4]

25. A contract to perform the promise or discharge the liability of a third person in case of his default is a contract of - / किसी तीसरे व्यक्ति के वचन को पूरा करने या उसके डिफ़ॉल्ट की स्थिति में उसके दायित्व का निर्वहन करने का अनुबंध एक अनुबंध है
(1) Guarantee / प्रत्याभूति
(2) Default / व्यतिक्रम
(3) Indemnity / क्षतिपूर्ति
(4) Partnership / भागीदारी

Ans. [1]

26. "He who does an act through another, does it himself" is a contract of / "जो कोई कार्य दूसरे के माध्यम से करता है, वह स्वयं भी करता है" का अनुबंध है
(1) Sale / विक्रय
(2) Purchase / क्रय
(3) Agency / अभिकरण
(4) Partnership / भागीदारी

Ans. [3]

27. When at the desire of the promisor, the promise or any other person has done or abstained from doing something or does or abstains from doing something or promises to do or abstain from doing something, such act or abstinence or promise is called a / जब वचन करने वाले की इच्छा पर, वचनग्रहिता या कोई अन्य व्यक्ति कुछ किया है या करने से विरत रहा है या कुछ करता है या करने से विरत रहता है या करने का वादा करता है या कुछ करने से विरत रहता है, तो ऐसे कार्य या विरतता या वचन को कहा जाता है
(1) Proposal / प्रस्ताव
(2) Consideration / प्रतिफल
(3) Acceptance / स्वीकार्यता
(4) Agreement / करार

Ans. [2]

28. X owes Y Rs.20, 000 but this debt is barred by Limitation Act. X executes a written promise to pay B Rs.15, 000 on account of debt. This is / भ ने म से रूपए 20,000 उधार लिए मगर वह कर्ज परिसीमा अधिनियम से बाधित था। भ ने रूपए 15,000 का भुगतान कर्ज के बदले में करने का लिखित वचन निष्पादित किया। यह है
(1) Invalid / विधि अमान्य

Scan this QR Code to Linking Laws BIOs
Linking Laws
Linking Laws Tansukh Sir
www.LinkingLaws.com
Get Subscription Now
Linking Laws is a Professional Institute provide AI based Smart Preparation for Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India
(UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)

(2) Void / शून्य
(3) Valid / विधि मान्य
(4) Voidable / शून्य योग्य

Ans. [3]

29. When a negotiable instrument is delivered conditionally or for a special purpose as a collateral security or for safe custody only, and not for the purpose of transferring absolutely property therein, it is called / जब कोई परक्राम्य लिखत सशर्त रूप से या किसी विशेष उद्देश्य के लिए संपार्श्विक सुरक्षा के रूप में या केवल सुरक्षित अभिरक्षा के लिए वितरित किया जाता है, न कि उसमें पूरी तरह से संपत्ति हस्तांतरित करने के उद्देश्य से, इसे कहा जाता है

(1) Fictitious Bill / कल्पित हुंडी
(2) Inchoate instrument / असंपूर्ण विलेख
(3) Escrow / निलंब लेख
(4) Clean Bill / निर्बन्ध हुंडी

Ans. [3]

30. Which one of the following is a promissory note when A signs the instrument? / निम्न में से कौनसा वचन पत्र है जब क ने विलेख पर हस्ताक्षर किए है?

(1) I promise to pay B or order Rs. 10,000/- on demand / मैं ख को रूपए 10,000 /- का भुगतान मांग पर करने का वचन करता हूं
(2) Mr. B. I. Owe. You. Rs. 10,000/- / ख मैंने आपसे रूपए 10,000 /- उधार लिए
(3) I promise to pay B Rs. 10,000/- and such other sums which shall be due to him / मैं ख को रूपए 10,000 /- भुगतान करने का वचन करता हूं और ऐसी अन्य धन राशि का जो उसमें शेष होगी
(4) I promise to pay B on his request Rs. 10,000/- on the death of X / मैं ख को उसके आग्रह पर रूपए 10,000/- का भ के निधन पर भुगतान करने का वचन करता हूं।

Ans. [1]

31. Transfer of Property Act applies to transfers / संपत्ति अंतरण अधिनियम अंतरण पर लागु होता है

(1) By partition in a joint family / संयुक्त परिवार में बंटवारे द्वारा
(2) Inter vivos / जीवित व्यक्तियों के बीच
(3) Both between animate and inanimate objects / सजीव एवं असजीव दोनों वस्तुओं के बीच
(4) Between living and non-living persons / सजीव एवं निर्जीव व्यक्तियों के बीच

Ans. [2]

32. A transfer's property of which he is the owner to B in trust for A and his intended wife successively for their lives, and, after the death of the survivor, for the eldest son of the intended marriage for life, and after his death for A's second son. The interest so created for the benefit of the eldest son / ए की संपत्ति, जिसका वह मालिक है, बी को ए और उसकी इच्छित पत्नी के ट्रस्ट में क्रमिक रूप से उनके जीवन के लिए, और, उत्तरजीवी की मृत्यु के बाद, इच्छित विवाह से उत्पन्न सबसे बड़े बेटे के लिए, और उसकी मृत्यु के बाद दूसरा बेटा को में स्थानांतरित कर देता है। ज्येष्ठ पुत्र के लाभ के लिए इस प्रकार रुचि पैदा की गई

(1) Does not take effect / प्रभाव प्राप्त नहीं करता
(2) Takes effect / प्रभाव प्राप्त करता है
(3) Partially takes effect / आंशिक प्रभाव प्राप्त करता है
(4) None of the above / उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [1]

33. A transfer of an interest in specific immoveable property for the purpose of securing the payment of money advanced or to be advanced by way of loan, an existing or future debt, or the performance of an engagement which may give rise to a pecuniary liability - is called / अग्रिम या ऋण के माध्यम से दिए जाने वाले धन, मौजूदा या भविष्य के ऋण, या किसी संलग्न बाध्यता को सुरक्षित करने के उद्देश्य से विशिष्ट अचल संपत्ति में हित का अंतरण जो आर्थिक दायित्व को जन्म दे सकता है – कहलाता है –

(1) Sale / क्रय
(2) Gift / उपहार
(3) Mortgage / बंधक
(4) Lease / पट्टा

Ans. [3]

34. A lease of immovable property from year to year, or for any term exceeding one year or reserving a yearly rent, can be made only by a / अचल संपत्ति का पट्टा साल-दर-साल, या एक वर्ष से अधिक किसी भी अवधि के लिए या वार्षिक किराया आरक्षित करके, केवल एक व्यक्ति द्वारा ही किया जा सकता है।

(1) Oral agreement / मौखिक करार
(2) Written agreement / लिखित करार
(3) Partition / विभाजन
(4) Registered instrument / पंजीकृत विलेख

Ans. [4]

35. Specific performance of contract can be ordered, at discretion of Court / न्यायालय के विवेक पर अनुबंध के विशिष्ट निष्पादन का आदेश दिया जा सकता है

(1) When the act agreed to be done is such that compensation in money for non-performance will not give sufficient relief / जब किया जाने वाला कार्य ऐसा हो कि उसके गैर-निष्पादन के लिए धन का मुआवजा पर्याप्त राहत नहीं देगा
(2) When the act agreed to be done is such that compensation in money for non-performance will give sufficient relief / जब कृत्य किए जाने की सहमति का ऐसा है कि गैर निर्वाह के लिए धन में मुआवजा समुचित राहत देगा
(3) Contract, performance of which involves a continuous duty, which Court cannot supervise /

Scan this QR Code to Linking Laws BIOs
Linking Laws
Linking Laws Tansukh Sir
www.LinkingLaws.com
Get Subscription Now
Linking Laws is a Professional Institute provide AI based Smart Preparation for Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India
(UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)

संविदा, जिसको निर्वाह में सतत कर्तव्य सम्मिलित जिसका न्यायालय पर्यवेक्षण नहीं कर सकता

(4) Specific performance of contract of personal nature cannot be ordered. / व्यक्तिगत प्रकृति की संविदा के विशिष्ट निर्वाह का आदेश नहीं किया जा सकता

Ans. [1]

36. Under Section 9 of Specific Relief Act, the person against whom the relief is claimed may plead by way of defense any ground which is available to him / विनिर्दिष्ट अनुतोष अधिनियम की धारा 9 के तहत, जिस व्यक्ति के विरुद्ध अनुतोष का दावा किया गया है वह बचाव के लिए किसी आधार पर अभिवचन कर सकता है जो उसके पास उपलब्ध है।

(1) Under law of trots / अपकृत्य कानून अधीन
(2) Under any law relating to contracts / संविदा से संबंधित किसी कानून के अधीन
(3) Under IPC / भारतीय दंड संहिता के अधीन
(4) Under Cr.P.C. / दांडिक प्रक्रिया संहिता के अधीन

Ans. [2]

37. The following contract cannot be specifically enforced / निम्नलिखित संविदा विशेष रूप से प्रवर्तन नहीं हो सकती"

(1) A contract the performance of which involves the performance of a continuous duty which the court cannot supervise. / संविदा जिसके निर्वाह में कर्तव्य का सतत निर्वाह सम्मिलित, जिसका न्यायालय पर्यवेक्षण नहीं कर सकता
(2) A contract the performance of which involves the performance of a continuous duty which the court can supervise. / संविदा जिसके निर्वाह में कर्तव्य का सतत निर्वाह सम्मिलित, जिसका न्यायालय पर्यवेक्षण कर सकता
(3) A Tort the discharge of which involves the performance of a continuous obligation / एक अपकृत्य जिसके निर्वहन में निरंतर दायित्व का प्रदर्शन शामिल होता है
(4) A contract for the non-performance of which compensation is not adequate relief / ऐसा अनुबंध जिसका पालन न करने पर मुआवज़ा पर्याप्त राहत नहीं है

Ans. [1]

38. A sells a TV to a minor, who pays for it by means of a cheque. A indorses that cheque to X. X takes it in good faith and for value. This Cheque was dishonoured on presentation. X can enforce payment of the cheque / A एक नाबालिग को टीवी बेचता है, जो इसका भुगतान चेक के माध्यम से करता है। ए चेक एक्स को पृष्ठांकित करता है । एक्स इसे अच्छे विश्वास और मूल्य के आधार पर लेता है। प्रस्तुत करने पर यह चेक अनादरित हो गया। एक्स चेक का भुगतान लागू कर सकता है

(1) Against Minor / नाबालिग के विरूद्ध
(2) Against Minor and A / ए और नाबालिग के विरूद्ध
(3) Against A only / केवल ए के विरूद्ध
(4) Cannot enforce against any body / किसी के विरूद्ध प्रवर्तन नहीं कर सकता

Ans. [3]

Limitation Act, 1963

56. Appeal against a decree or order can be filed in a High Court within / आज्ञप्ति अथवा आदेश के विरूद्ध अपील उच्च न्यायालय में कितने दिनों के अन्दर दाखिल की जा सकती है

(1) 60 days / 60 दिन
(2) 30 days / 30 दिन
(3) 90 days / 90 दिन
(4) 91 days / 91 दिन

Ans. [3]

57. Where, before the expiration of the prescribed period for a suit or application in respect of any property or right, an acknowledgement of liability in respect of such property or right has been made in writing signed by the party against whom such property or right is claimed, or by any person through whom he derives his title or liability, / जहां, किसी संपत्ति या अधिकार के संबंध में किसी वाद या आवेदन के लिए निर्धारित अवधि की समाप्ति से पहले, ऐसी संपत्ति या अधिकार के संबंध में दायित्व की स्वीकृति उस पक्ष द्वारा हस्ताक्षरित लिखित रूप में की गई है जिसके खिलाफ ऐसी संपत्ति या अधिकार का दावा किया गया है। , या किसी व्यक्ति द्वारा जिसके माध्यम से वह अपना शीर्षक या दायित्व प्राप्त करता है

(1) a fresh period of limitation shall be computed from the time when the acknowledgement was so signed. / परिसीमा की एक नई अवधि की गणना उस समय से की जाएगी जब पावती पर हस्ताक्षर किए गए थे।
(2) limitation shall be computed from the time when originally the signature has been given / सीमा की गणना उस समय से की जाएगी जब मूल रूप से हस्ताक्षर दिए गए हों
(3) a fresh period of limitation shall not be computed from the time when the acknowledgement was so signed. / परिसीमा की नई अवधि की गणना उस समय से नहीं की जाएगी जब पावती पर हस्ताक्षर किए गए थे।
(4) None of the above

Ans. [1]

58. The period of limitation for an action by a principal against his agent for movable property received by the latter and not accounted for is / किसी प्रिंसिपल द्वारा अपने एजेंट के विरुद्ध प्राप्त चल संपत्ति और जिसका हिसाब नहीं दिया गया है, के लिए कार्रवाई के लिए सीमा अवधि है

(1) 12 years / 12 वर्ष
(2) 3 years / 3 वर्ष
(3) 5 years / 5 वर्ष
(4) No limitation / कोई परिसीमा नहीं

Ans. [2]

Scan this QR Code to Linking Laws BIOs
Linking Laws
Linking Laws Tansukh Sir
www.LinkingLaws.com
Get Subscription Now
Linking Laws is a Professional Institute provide AI based Smart Preparation for Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India (UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)

Sales of Good

21. Caveat emptor means / क्रेता सावधान रहे अर्थात् "

(1) Purchaser beware / क्रेता सतर्क रहे
(2) Seller beware / विक्रेता सतर्क रहे
(3) Things outside commerce / वाणिज्य से बाहरी वस्तुएं
(4) A warning letter / चेतावनी पत्र

Ans. [1]

Jurisprudence

69. Etymologically what is meant by Jurisprudence? / व्युत्पति का विधि शास्त्र से क्या अभिप्रेत है ""

(1) Knowledge of law / विधि का ज्ञान
(2) Science of law / विधि का विज्ञान
(3) Science of origin / उद्भव का विज्ञान
(4) Knowledge of origin / उद्भव का ज्ञान

Ans. [1]

70. What is meant by the term 'General Law"? /सामान्य विधि शब्दावली का क्या अर्थ है?

(1) It consists of general ordinary law of the land. / यह भूमि के सामान्य साधारण विधि का संयोजन है
(2) It consists of those legal rules which are taken judicial notice of by the court / यह उन विधिक नियमों का संयोजन है जिनका न्यायालय की ओर से न्यायिक्त ध्यान किया जाता है
(3) It consists of those bodies and legal rules which are exceptional in nature. / यह निकायों तथा विधिक नियमों दोनों का संयोजन है जो स्वरूप में अपवाद है
(4) (1) and (2) / (1) एवं (2) दोनों

Ans. [4]

71. According to the theory of 'social utilitarianism' as propounded by Inhering: / सामाजिक उपयोगितावाद' के अनुसार जैसा कि आइहेरिंग ने प्रतिपादित किया है: "

(1) greatest number of people should get greatest pleasure / अधिकाधिक लोगों को अधिकाधिक आनंदित होना चाहिए
(2) the essential body of legal rules is always based upon the social "facts" of law / विधिक नियमों का अत्यावश्यक निकाय हमेशा विधि के सामाजिक “तथ्यों" पर आधारित है
(3) a balance is to be struck between the competing interests in society / समाज में प्रतिस्पद्धी हितों के बीच संतुलन किया जाए
(4) law is a means to social ends / विधि का अर्थ सामाजिक उद्देश्य है

Ans. [4]

Scan this QR Code to Linking Laws BIOs
Linking Laws
Linking Laws Tansukh Sir
www.LinkingLaws.com
Get Subscription Now
Linking Laws is a Professional Institute provide AI based Smart Preparation for Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India
(UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)